



University of Rajasthan Jaipur

SYLLABUS

M.A. Rajasthani Language, Literature & Culture

(Semester Scheme)

I & II Semester 2021-22

III & IV Semester 2022-23



Rj / Jas
Dr. Rajendra
Kumar
University of Rajasthan
Jaipur

M.A. : RAJASTHANI LANGUAGE, LITERATURE AND CULTURE

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

1. M.A. : Rajasthani Language, Literature and Culture is a unique and composite P.G. course introduced under the Faculty of Social Science and being run by the Centre for Rajasthan Studies. The purpose of this course is two fold-- firstly, to acquaint the students with myriad facets of the history and culture of Rajasthan; and secondly, to get them well versed in Rajasthani language and its rich literature. In other way, this course offers a great opportunity to develop an overall knowledge of history, society, culture, language, literature and other aspects of Rajasthan and enables the students to be well-versed in Rajasthan Studies which has become an essential component of competitive exams conducted by RPSC.
2. M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture is an SFS course which is run exclusively for the regular students of the university.
4. The Self Financing Course of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture is run as per the prevailing norms, regulations and fee structure of SFS courses in the University of Rajasthan, Jaipur. The annual course fee for the students of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture was Rs. 13500 in the session 2017-18 which is being hiked by 10% from the session 2016-17 as per the revised fee structure of the university.
5. The eligibility and rules for admission in M.A. Rajasthani Language, Literature and Culture are as per the rules and regulations for admission in other courses of M.A. in Faculty of Social Science in the University of Rajasthan.
6. The Centre for Rajasthan Studies offers 60 seats for admission to M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture under SFS.
6. The examination for the degree of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture will be based on Semester Examination as per the scheme prevailing in the university for PG courses in the Faculty of Social Science.

Raj / Jay
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

2

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के लिये चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत कुल 24 प्रश्नपत्र होंगे। प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र, (तीन अनिवार्य एवं तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र) होंगे।

प्रश्नपत्रों के उत्तर का माध्यम परीक्षार्थी के विकल्प के अनुसार राजस्थानी या हिन्दी या अंग्रेजी होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा, इस प्रकार चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत होने वाले 24 प्रश्नपत्र कुल 144 क्रेडिट के होंगे एवं परीक्षार्थी के लिए 120 क्रेडिट हासिल करना अनिवार्य होगा।

प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

अथवा

प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की उपाधि के लिये सेमेस्टर परीक्षा की प्रश्नपत्र योजना एवं पाठ्यक्रम विवरण निम्नलिखित हैं :-

3

Raj [Taw
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

प्रथम सेमेस्टर परीक्षा

प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंको का होगा।

First Semester (Without Laboratory Work)

S. No.	Paper	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit
1.	Paper I	RAJ 701	राजस्थानी भाषा	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 702	राजस्थानी साहित्य का इतिहास	CCC	6
3.	Paper-III	RAJ 703	प्राचीन राजस्थान का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)	CCC	6
4.	Paper -IV, V & VI (any three)	RAJ A01	राजस्थान की स्थापत्य कला	ECC	6
5.		RAJ A02	राजस्थान की चित्रकला	ECC	6
6.		RAJ A03	राजस्थानी लोकसाहित्य	ECC	6
7.		RAJ A04	राजस्थानी व्याकरण	ECC	6

4

Reg (Acad)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

अनिवार्य प्रश्नपत्र

- प्रश्नपत्र I RAJ 701 राजस्थानी भाषा
प्रश्नपत्र II RAJ 702 राजस्थानी साहित्य का इतिहास
प्रश्नपत्र III RAJ 703 प्राचीन राजस्थान का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : निम्नलिखित में से कोई तीन -

- प्रश्नपत्र RAJ A01 राजस्थान की स्थापत्य कला
IV एवं VI RAJ A02 राजस्थान की चित्रकला
RAJ A03 राजस्थानी लोकसाहित्य
RAJ A04 राजस्थानी व्याकरण

Raj (Taj)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति
प्रथम सेमेस्टर परीक्षा

प्रश्नपत्र I : RAJ 701 राजस्थानी भाषा

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तमक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

भाषा का परिभाषा, भाषा के विविध रूप (मानक भाषा, बोली उपबोली आदि), लिपि और भाषा का सम्बन्ध, प्रमुख लिपियाँ। राजस्थानी भाषा के प्रमुख विद्वान एवं उनके कार्य - जार्ज ग्रियर्सन, सीताराम लालस, नरोत्तमदास स्वामी, सुनीति कुमार चटर्जी, एल.पी. तेस्सीतौरी।

इकाई - द्वितीय

राजस्थानी भाषा : उद्भव एवं विकास, डिंगल-पिंगल की सामान्य विशेषताएं। भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का स्थान एवं महत्व। राजस्थानी बोलियों की आंतरिक एकरूपता।

इकाई - तृतीय

राजस्थानी की प्रमुख बोलियाँ एवं उपबोलियाँ, राजस्थानी से अभिप्राय एवं क्षेत्र, राजस्थानी की व्याकरणिक विशेषताएं एवं प्रयोग।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका।
2. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : राजस्थानी भाषा शास्त्र, जयपुर।
4. एल. पी. टैसीटौरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
5. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा इतिहास राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. सीताराम लालस (सिम्हा.) राजस्थानी शब्दकोश (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान जोधपुर, जोधपुर।
8. महावीर प्रसाद शर्मा : मेवाती का उद्भव और विकास।
9. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
10. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : भाषा और समीक्षा।
11. डॉ. हीरालाल महेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
12. कलशचन्द्र अग्रवाल : शेखावाटी बोली का वर्णात्मक अध्ययन।
13. प्रहलाद चन्द जोशी : मारवाड़ी और उपबोलियों का व्याकरण।
14. जन्मोदा लाल शर्मा : मेवाती बोली और साहित्य।

प्रश्नपत्र II : RAJ 702 राजस्थानी साहित्य का इतिहास

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे, द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5x4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, प्रमुख रचनाएँ तथा रचनाकार।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएँ तथा रचनाकार।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी साहित्य का आधुनिक काल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएँ तथा रचनाकार।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नमवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
2. जार्ज ए. प्रियसैन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
3. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
4. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
5. भरामतदास स्वामी : राजस्थानी भाषा – एक परिचय।
6. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी साहित्य की रूपरेखा।
7. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थान का पिंगल साहित्य।
8. नीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड) राजस्थानी शाब्द संस्थान जोधासनी, जोधपुर
9. डॉ. गोवर्द्धन शर्मा : इंडगल साहित्य
10. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल।
11. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य, कलकत्ता।
12. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, दिल्ली।
13. डॉ. अमरचन्द्र नाहटा : राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, साधारण प्रकाशन, दिल्ली।

Reg (Jain)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III : RAJ 703 प्राचीन राजस्थान का इतिहास
(आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 40 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

राजस्थान की भौगोलिक विशेषताएँ। प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ - पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण काल। ताम्रपाषाणिक एवं ताम्रयुगीन सभ्यताएँ (आहाड़, गणेश्वर)। वैदिक सरस्वती नदी, कालीबंगा।

इकाई - द्वितीय

मत्स्य जनपद। राजस्थान की गणतांत्रिक जातियाँ, मालवों के विशेष संदर्भ में। राजपूतों की उत्पत्ति।

इकाई - तृतीय

गुर्जर-प्रतिहारों का उदय एवं विस्तार। चाहमान साम्राज्य। राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन (ईस्वी 700 से 1200)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गापीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. गापीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
3. गापीनाथ शर्मा : राजस्थान के इतिहास के स्रोत, भाग 1, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।
4. विशुद्धानन्द पाठक : उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5. डॉ. सी. शुक्ला : अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली, 1978.
6. दशरथ शर्मा : राजस्थान थू दि एजेज. भाग 1 बीकानेर, 1966

Raj [Signature]

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A01 राजस्थान की स्थापत्य कला

Course Category : ECC

अवधि 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अक्षरोंवाला शब्द (शब्द सीमा : बीस शब्द, अक्षर 10X2 = 20) पूछे होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघुतरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन चार में लघु निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई -- प्रथम

मंदिर स्थापत्य : आंसिया, देलवाड़ा, रणकपुर, आम्बर (जगत शिरामाणे)। राजप्रासाद स्थापत्य : मेहरानगढ़, डीग।

इकाई -- द्वितीय

दुर्ग स्थापत्य : चित्तौड़, रणथंभौर, कुम्भलगढ़, जालौर। हवेली स्थापत्य : जैसलमेर, शेखावाटी।

इकाई -- तृतीय

छतरियाँ (मंडोर, गेटोर) मकबरे। बांध (राजसमंद)। सरोवरों एवं बावडियों का स्थापत्य। मस्जिदों का स्थापत्य। नगर-योजना एवं गृह-स्थापत्य (जयपुर)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गणपतिनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. राघवेंद्र सिंह मनोहर : राजस्थान के प्रमुख दुर्ग, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. वई.डी. सिंह : राजस्थान के कुरें एवं बावडियाँ।

9

Raj (Jai)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A02 राजस्थान की चित्रकला

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिरिक्तसूत्रात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई -- प्रथम

चित्रकला का परिचय, राजस्थानी चित्रकला का उद्भव एवं विकास, चित्रकला की प्रमुख शैलियाँ - मेवाड़, डूँढाड़, किशनगढ़, बूंदी आदि। राजस्थानी चित्रकला की विशेषताएँ।

इकाई -- द्वितीय

राजस्थानी लोक चित्रकला -- विकास एवं स्वरूप - भित्तिचित्र, माँडने, गोदना, फड़, पिछवाई सांझी आदि। लोक चित्रकला की मान्यताएँ एवं विशेषताएँ। राजस्थान की लोक चित्रकला को प्रोत्साहन एवं संरक्षण।

इकाई -- तृतीय

प्राचीन राजस्थान में चित्रकला। मध्यकाल में राजस्थान में चित्रकला -- विकास एवं विशेषताएँ। लोक चित्रकला में रंग संयोजन एवं विषय। आधुनिक चित्रकला का स्वरूप एवं विशेषताएँ। राजस्थान के प्रमुख आधुनिक चित्रकार एवं चित्रकला के विकास में योगदान।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नोरज : राजस्थानी चित्रकला, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. नीलिमा वशिष्ठ : राजस्थान की मूर्तिकला परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. रोता प्रताप : भारतीय चित्र कला एवं मूर्तिकला का इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. धर्मवीर वशिष्ठ : मारवाड़ की चित्रांकन परम्परा एवं चित्रकार, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
5. रन्दना जोशी : नाथद्वारा चित्र शैली, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (सं.) : राजस्थान वैभव, भारतीय संस्कृति एवं सर्वजन परिषद्, दिल्ली।

Raj / Jav
By K. V. S. Nar. (A. S. D.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A03 राजस्थानी लोकसाहित्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5x4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

लोक साहित्य : सामान्य सिद्धान्त, परिभाषा, अर्थ, लोक-तत्त्व, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई – द्वितीय

राजस्थानी लोकगीत एवं राजस्थानी लोककथाएँ: अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई – तृतीय

राजस्थानी लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ, राजस्थानी लोकोक्ति, मुहावरे एवं पहेलियाँ।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. सोहनदान चारण : राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन
2. डॉ. महेन्द्र भानावत : लोकरंग
3. डॉ. महेन्द्र भानावत : राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
4. डॉ. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान
5. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक साहित्य की भूमिका
6. श्याम परमार : भारतीय लोक वाङ्मय
7. श्याम परमार : लोकधर्मी नाट्य परम्परा
8. वासुदेव शरण अग्रवाल : लोक धर्म
9. मन्मथनाथ गुप्त : लोकोत्सव
10. श्री कृष्णदास : लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
11. झवेरचन्द मेघानी : लोक साहित्य (व्याख्यान)
12. सूर्यकरण पारीक : राजस्थानी लोक गीत
13. नानूराम संस्कर्ता : राजस्थान का लोक-साहित्य
14. डॉ. कृष्णकुमार शर्मा : राजस्थानी लोकभाषाओं के कुछ रुढ़ तत्व
15. लक्ष्मीलाल जोशी : मेवाड़ की कहावतें
16. डॉ. कन्हैयालाल सहल : राजस्थानी कहावतें – एक अध्ययन
17. चन्द्रदान चारण : गोगाजी चोहान की राजस्थानी गाथा
18. डॉ. मनोहर शर्मा : राजस्थानी साहित्य और संस्कृति
19. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
20. लक्ष्मीकुमारी चूडावत (सम्पा.) : बगडावत पूदेवनारायण गाथा
21. भागीरथ कान्मोडिया तथा गोविन्द अग्रवाल : राजस्थानी कहावतें का

Raj Kaur
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A04 राजस्थानी व्याकरण

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई प्रथम

व्याकरण : अर्थ एवं प्रयोग। व्याकरण की आवश्यकता। व्याकरण एवं भाषाशास्त्र का संबंध। व्याकरण की भारतीय परंपरा। राजस्थानी व्याकरण की परंपरा। राजस्थानी के प्रमुख व्याकरण लेखक -- सीताराम लालस, नरोत्तमदास स्वामी, कालीचरण बहल, गोविन्द शंकर शर्मा।

इकाई द्वितीय

राजस्थानी की ध्वनियां। ध्वनियों का वर्गीकरण। राजस्थानी के स्वर एवं व्यंजन -- महाप्राण-अल्पप्राण, सघोष-अघोष। राजस्थानी विशिष्ट ध्वनि -- ळ। राजस्थानी में न एवं ण का प्रयोग।

इकाई तृतीय

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया, मूल एवं तिर्यक, अव्ययों के एक वचन एवं बहुवचन, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग रूप और निर्माण की प्रक्रिया। परसर्गों एवं अव्ययों का विवरण।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रो. रामाश्रय मिश्र एवं डॉ. नरेश मिश्र : भाषा और भाषा विज्ञान, उन्मेश प्रकाशन, करनाल, हरियाणा।
2. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
4. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : राजस्थानी भाषा शास्त्र, जयपुर।
5. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
9. नरोत्तमदास स्वामी : राजस्थानी व्याकरण।
10. एन. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी

12

Raj / Jain
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा

द्वितीय सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit
1.	Paper I	RAJ 801	प्राचीन राजस्थानी साहित्य	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 802	मध्यकालीन राजस्थान (1200-1761 ईस्वी)	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 803	राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्परा	CCC	6
4.	Paper IV. V, VI & VII (any three)	RAJ B 01	राजस्थान की लोक परम्परा एवं संस्कृति	ECC	6
5.		RAJ B 02	चारण साहित्य	ECC	6
6.		RAJ B 03	राजस्थान के जनजातीय आंदोलन	ECC	6
7.		RAJ B 04	राजस्थानी का जैन साहित्य	ECC	6

Paj (Vain)

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा

अनिवार्य

प्रश्नपत्र I : RAJ 801 प्राचीन राजस्थानी साहित्य
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प उपलब्ध) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अदिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द अंक 20x3 = 60) होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

ढोला मारु रा दूहा : सम्पादक - रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी।
(प्रथम 50 छंद)

इकाई - द्वितीय

अचलदास खींची री वचनिका : सं. भूपतिराम साकरिया। (प्रारम्भ से दूहा "हड़वर गड़वर" गंजणहार" तक बात सडित)

इकाई - तृतीय

बीसलदेव रास - सं. माता प्रसाद गुप्त, (छंद संख्या 51 से 100 तक)

पाठ्य-पुस्तकें :

1. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक और नरोत्तमदास स्वामी (सम्पा.) : ढोला मारु रा दूहा राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. अचलदास खींची री वचनिका : सं. भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार जोधपुर
3. बीसलदेव रासो - सं. डॉ. माताप्रसाद गुप्त, श्री अगरचंद नाहटा, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. शान्ता भानावत : ढोला मारु रा दूहा का अर्थ और वैज्ञानिक अध्ययन, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
2. डॉ. भगवतीलाल शर्मा : ढोला मारु रा दूहा में काव्य, संस्कृति और इतिहास
3. अगरचन्द नाहटा : प्राचीन काव्यों की रूप-परम्परा भारतीय विद्या मन्दिर, राजस्थान प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. नुकुन्दनारायण पुरोहित - वचनिका अचलदास खींची रा अनुपम प्रकाशन, राजस्थान प्रत्युत्प्रेषण और बीकानेर
5. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी : मोरा का काव्य।

By. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र II : RAJ 802 मध्यकालीन राजस्थान (1200-1761 ईस्वी)
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे। सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्पों का चयन) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे। इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्पों में से) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

तेरहवीं शताब्दी की राजनीतिक स्थितियाँ। तुर्क शासन की स्थापना एवं प्रतिरोध (मेवाड़, रणथंभौर, चित्तौड़, जालोर)। राजस्थान का उत्कर्ष काल - महाराणा कुंभा एवं सांगा।

इकाई - द्वितीय

मुगल-राजपूत सम्बन्ध (प्रतिरोध एवं सहयोग)। मेवाड़ का स्वातंत्र्य संघर्ष (महाराणा प्रताप)। मुगल आधिपत्य काल में राजपूत शासकों की उपलब्धियाँ (मारवाड़ आम्बेर, हाड़ौती)। मुगल साम्राज्य की शिथिलता एवं राजपूत राज्यों का मुगल प्रभाव से मुक्त होना।

इकाई - तृतीय

राजपूताना में मराठों के आक्रमण। सवाई जयसिंह की मराठा नीति। राजपूत कालीन प्रशासन जागीरदारी एवं सामंत प्रथा। आर्थिक जीवन-कृषि, व्यापार-वाणिज्य। सामाजिक जीवन-स्त्रियों की स्थिति। शिक्षा की स्थिति।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
2. गौरीशंकर डीरावन्द ओझा : राजपूताने का इतिहास (सभी खण्ड, सम्बद्ध अंश)।
3. हरबिलास शारदा : महाराणा कुंभा।
4. वीरेन्द्र स्वरूप भटनागर : सवाई जयसिंह, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
5. गोपीनाथ शर्मा : संशुल लाईफ इन मेडिवल राजस्थान, जोधपुर।
6. आर पी व्यास : महाराणा प्रताप, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

15

Raj (Kain)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III : RAJ 803 राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्पराएँ
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट: प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प धाराओं पर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अक्षरोंवाला शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10x2 = 20, प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघुतरालिक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5x4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 600 शब्द, 20x3 = 60) होंगे। इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देंगे) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में शैव एवं वैष्णव संप्रदायों का विकास। बौद्ध धर्म के अवशेष। जैन धर्म का विस्तार एवं प्रभाव। राजस्थान में अन्य संप्रदाय – नाथ संप्रदाय, शाक्त, सौर, लकुलीश।

इकाई – द्वितीय

भक्ति परम्परा। विभिन्न संत – मीरा, दादू, जाम्भोजी, चरणदास। अन्य संत संप्रदाय। इस्लाम धर्म। सूफी परम्परा। ईसाई धर्म।

इकाई – तृतीय

लोक देवी-देवता। लोक देवता – गोगाजी, तेजाजी, पाबूजी, देवनारायण जी मल्लीनाथजी, रामदेवजी, हड़बुजी, मांगलिया मेहाजी। लोक देवियाँ – जमदाय माता बाण माता, आवड माता, करणी माता, जीण माता, शीतला माता, आई माता आदि।

संदर्भ ग्रंथ :

1. दिनेश चन्द्र शुक्ल : राजस्थान की भक्ति परम्परा एवं संस्कृति।
2. डॉ. पेमारांम : मध्यकालीन राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, अर्चना प्रकाशन, अजमेर।
3. राम प्रसाद दाधीच : राजस्थान सन्त सम्प्रदाय।
4. होरालाल माहेश्वरी : संत जाम्भोजी।
5. एस.एन. दुबे (सं.) : रिलिजियस मूवमेंट्स इन राजस्थान, राजस्थान अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
6. डी.सी. शुक्ला : सिंधिरिच्युअल हेरिटेज ऑफ राजस्थान।
7. जी.एन. शर्मा : सोशल लाइफ इन मेडिअल राजस्थान।

16

Reg. [Signature]
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र IV, V, VI & VII

वैकल्पिक

प्रश्नपत्र IV : RAJ B01 राजस्थान की लोक परम्परा एवं संस्कृति Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अक्षरोंवाला शब्द (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन भागों में विभाजित हैं। प्रश्न निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान का लोक संगीत। लोक वाद्य। लोक गायन शैली – ख्याल, हेला ख्याल, कन्हैया, पदगायन, चारबैत, मांड गायन, स्वांग। लोक नृत्य।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान की हस्तकलाएँ। स्थानीय उद्योग – मूर्ति निर्माण, वस्त्र उद्योग – कोटा डोरिया, बंधेज, बगरू प्रिंट, सांगानेरी प्रिंट, रत्नाभूषण उद्योग – थेवा कला, कुंदन, जड़ाई। मारवाड़ी समाज एवं शेखावाटी अंचल की उद्यमिता।

इकाई – तृतीय

वेशभूषा। आभूषण। गौरबंद, उत्सव, त्यौहार एवं मेले, जन्म, विवाह, मृत्यु से संबंधित।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. महेन्द्र सिंह नगर : राजस्थान के व्रत एवं उत्सव।
4. मंजुश्री क्षीरसागर : राजस्थान की संगीत परम्परा, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाशन, जोधपुर।
5. लोश बोरणा : राजस्थान के लोक वाद्य।
6. कमलेश माथुर : हस्तशिल्प कला के विविध आयाम, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
7. लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत : राजस्थान के सांस्कृतिक लोकगीत।
8. लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत एवं रमेश चन्द्र स्वर्णकार : राजस्थान के रीति-रिवाज, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर।
9. प्रतिप्रभा गोयल : राजस्थान के व्रत एवं त्यौहार।
10. रामप्रसाद दाधीच : लोक संस्कृति व अन्य निबन्ध।
11. डॉ. क. हरकण्ठ इंडस्ट्रियल एन्डिप्रैग्युअरशिप ऑफ शेखावाटी मण्डल, जयपुर।
12. डॉ. ए. ए. शर्मा : राजस्थान के लोक संस्कृति साहित्य, जयपुर।

Raj/Vas

Dy. Registrar (Ac)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र V : RAJB02 चारण साहित्य
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न, व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प में) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20x3 = 60, होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

चारण शैली – अर्थ, आरम्भ, प्रमुख ग्रन्थ, प्रमुख रचनाकार, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भाषा।

इकाई – द्वितीय

वीरवाण – बादर ढाढ़ी (प्रारम्भिक 25 छंद)।

इकाई – तृतीय

बांकीदास ग्रंथावली -- बांकीदास, सं. चन्द्रमौलिसिंह, वीर विनोद के प्रारंभिक 20 छंद एवं स्फुट संग्रह से प्रारंभिक तीन गीत।

पाठ्य पुस्तकें :

1. वीरवाण, बादर ढाढ़ी, सं. भूरसिंह राठौड़, राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर
2. बांकीदास ग्रंथावली, सं. चन्द्रमौलिसिंह, इंडियन सोसायटी फार एजुकेशनल इनोवेशन, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

1. चारण साहित्य का इतिहास, मोहनलाल जिज्ञासू, जैन ब्रदर्स, रातनाडा, जोधपुर
2. चारण दिग्दर्शन, शंकर सिंह आशिया, श्री बुधजी साहित्य सदन, बाड़मेर
3. चारण साहित्य में भक्ति डॉ. (श्रीमती) पुष्पलता शर्मा, भारत भारती, दिल्ली
4. चारण साहित्य परम्परा (Essays on Bardic Literature) . सं. डॉ. श्यामसिंह रत्नावत, राज. अध्ययन केन्द्र, रा.वि.वि., जयपुर

18

Raj [Tav]
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र VI : RAJB03 राजस्थान में जनजातीय आंदोलन
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आवश्यक विवरण छात्रों को अनिवार्य होंगे)। प्रथम प्रश्न में 10 अक्षरवृत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघुवृत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन चार पाँच लघुवृत्तरात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे। इनमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (अवधि : 15 मिनट) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

राजस्थान के जनजातीय समाज एवं संस्कृति - रीति रिवाज, खान-पान, पहनावा, लोकविश्वास, धार्मिक विश्वास, भाषा एवं बोलियाँ, वाचिक परम्पराएँ

इकाई - द्वितीय

राजस्थान के जनजातीय समाज में चेतना का विकास - सामाजिक चेतना, आर्थिक चेतना, धार्मिक चेतना, राजनीतिक चेतना, जनजातीय चेतना के विकास में राज्य की भूमिका।

इकाई - तृतीय

19वीं शदी के प्रमुख जनजातीय प्रतिरोध - मेर, भील, मीणा। प्रमुख आंदोलनकारण - गोविंद गिरि, मोतीलाल तेजावत, कालीबाई।

संदर्भ पुस्तकें :

1. राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन, डॉ. बृजकिशोर शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. गोविंद गिर व उनका आंदोलन, एल.पी. माथुर, जयपुर
3. राजस्थान का इतिहास, गोपीनाथ शर्मा, जयपुर
4. आधुनिक राजस्थान का इतिहास, एम.एस. जैन, जयपुर
5. राजस्थान थू दी एजेज, एम.एस. जैन, दीकानेर
6. प्रोटेस्ट मूवमेंट वह भील, एल.पी. माथुर, जयपुर
7. भगवती लाल जैन, स्वतंत्रता संग्राम में साधु गोविंद गिरि और भगत आन्दोलन का योगदान, उदयपुर
8. इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल एण्ड मास मूवमेंट, बृजकिशोर शर्मा, जयपुर
9. सोशियल एण्ड पॉलिटिकल अवेकनिंग अमोंग दी ट्राइबल ऑफ राजस्थान स. जी.एन. शर्मा, जयपुर

19

Raj (Tad)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र VII : RAJ B04 राजस्थानी का जैन साहित्य
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिरिक्तप्रश्नात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे, द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान का जैन साहित्य – आरम्भ एवं विकास, प्रबन्ध, मुक्तक। प्रमुख ग्रंथ भण्डार – जैसलमेर, नागौर, जयपुर।

इकाई – द्वितीय

प्रमुख विधाएँ – चर्चरी, फागु, गुर्वावली, रास, चौपाई, बारहमासा, धमाल, विवाहलो, कक्का, मात्रिका, स्तुति, बावनी, छत्तीसी।

इकाई – तृतीय

भट्टारक रत्नकीर्ति एवं कुमुदचन्द्र – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, रत्नकीर्ति – पद संख्या 16, 19, 25, 27 एवं कुमुदचन्द्र – नेमिनाथ का द्वादश मासा।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा, अणवरुद्र नाहटा, भारतीय विद्या मन्दिर शोध संस्थान, बीकानेर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य, डॉ. मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. भट्टारक रत्नकीर्ति एवं कुमुदचन्द्र व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सं. डॉ. कस्तूरचन्द्र कासलीवाल, श्री महावीर ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

20

Raj (Tad)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर परीक्षा

तृतीय सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit
अनिवार्य					
1.	Paper I	RAJ 901	आधुनिक राजस्थान (1761-1956 ईस्वी) (अनि.)	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 902	मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 903	राजस्थानी साहित्य में स्वाधीनता आंदोलन	CCC	6
वैकल्पिक					
4.	Paper IV, V, VI & VII (any three)	RAJ C 01	विशिष्ट कृति : मीरा	ECC	6
5.		RAJ C 02	विशिष्ट कवि : वारहट ईसरदास	ECC	6
6.		RAJ C 03	राजस्थानी संत साहित्य	ECC	6
7.		RAJ C 04	राजस्थान के जनआन्दोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम	ECC	6

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर परीक्षा

प्रश्नपत्र I RAJ . 901: आधुनिक राजस्थान (1761-1956 ईस्वी)
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द, 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे। इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

मराठा हस्तक्षेप। राजपूत राज्यों की अंग्रेजों से संधियाँ (1817-18) एवं उनका महत्व। ब्रिटिश नियंत्रण पद्धति का विकास। 1857 की क्रांति।

इकाई - द्वितीय

राजस्थान में ब्रिटिश नीति का विकास (1870-1924)। भूराजस्व व्यवस्थाएं एवं उनका कृषकों पर प्रभाव। मेवाड़ एवं शेखावाटी क्षेत्र के किसान आन्दोलन। अफीम एवं नमक के प्रति अंग्रेजों की नीति।

इकाई - तृतीय

सामाजिक परिवर्तन एवं सुधार। वाल्टर हितकारिणी सभा एवं आर्य समाज की भूमिका। राजस्थान के आधुनिक काल में स्त्रियों की स्थिति एवं भूमिका। राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम। प्रजामंडल आंदोलन। राजस्थान का एकीकरण।

सहायक पुस्तकें :

1. एम.एस. जैन : आधुनिक राजस्थान का इतिहास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
2. रामप्रसाद व्यास : आधुनिक राजस्थान का बृहत् इतिहास, खण्ड 1 एवं खण्ड 2 राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. बी.एन. पानगडिया : राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।
4. विभीता परिहार : राजस्थान में प्रजामंडल आंदोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।
5. बृज किशोर शर्मा : राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।
6. कृष्ण चन्द्र शर्मा : राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।

प्रश्नपत्र II RAJ. 1902 : मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्यात्मक (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जायेंगी। प्रश्न तृतीय चार व षष्ठ निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

वेलि क्रिसन रुक्मणी री (संपादक – नरोत्तम स्वामी) (100 से 120 तक), वेलि क्रिसन रुक्मणी री, सं. नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

इकाई – द्वितीय

विरुद छिहत्तरी : दुरसा आढा (प्रारंभिक 30 छंद), दुरसा आढा ग्रन्थावली, सं. – डॉ. भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

इकाई – तृतीय

राजिया रा दूहा : कृपाराम खिड़िया (प्रारंभिक 30 छंद), राजिया रा दूहा, कृपाराम खिड़िया, संपादक नरोत्तम स्वामी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

सहायक पुस्तकें :

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, कलकत्ता।
2. हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, कलकत्ता।
3. कृष्ण रुक्मणी री वेलि, सं. आनंद प्रकाश दीक्षित, गोरखपुर।
4. विरुद छिहत्तरी, दुरसा आढा, सं. बख्शी जागीर सिंघवी बछराज, जोधपुर।
5. विरुद छिहत्तरी, दुरसा आढा, श्री प्रताप सभा, उदयपुर।

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X3 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प या बाह्य विकल्प) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न (अन्वयार्थ) में शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20 का होगा जिसमें कुल दो व्याख्यान (आंतरिक विकल्प देय) पूछे जायेंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में स्वाधीनता आंदोलन सम्बन्धी लोक काव्य – गोरा हट जा, झल्लै आउवो, जूँझै आउवो, आउवा रा गदर सम्बन्धी फुटकर दूहा।

इकाई – द्वितीय

बांकीदास – गीत चेतावणी रो, गीत भरतपुर रो, गीत नींबावतां रै महंतरो।
गिरवरदान कविया – आउवा रा गदर सम्बन्धी छप्पय, स्वतंत्रता सम्बन्धी फुटकर दूहा।
सूर्यमल्ल भीसण।

इकाई – तृतीय

संकरदान सामोर – गीत अंगरेजा री नीत रो, गीत तालिया टोपे रो।
गणेशलाल व्यास उस्ताद – आ जन कवि की जुग वाणी, साथियां जागण रो दिन आयो।

सहायक पुस्तकें :

1. सभी रचनाएँ स्वतंत्रता आन्दोलन की राजस्थानी प्रेरक रचनाएँ, सं. डॉ. नारायणसिंह भाटी, डॉ. हुकमसिंह भाटी, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर में संकलित।
2. आधुनिक राजस्थानी काव्य, सं. रामेश्वरदयाल श्रीमाली, साहित्य अकादमी, दिल्ली।

Raj (Taj)

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII

प्रश्नपत्र : RAJ C 01: विशिष्ट कवि : मीरा
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबन्धात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे। इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

मीरा पदावली : पद संख्या 1 से 50। मीरा पदावली : सं. डॉ. शंभुसिंह मनोहर, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर

इकाई – द्वितीय

मीरा : व्यक्तित्व, कृतित्व, जीवन संघर्ष, स्त्री चेतना।

इकाई – तृतीय

मीरा की भक्ति भावना, काव्य सौन्दर्य, लोकपक्ष।

सहायक पुस्तकें :

1. मीरा का काव्य, दिश्वनाथ त्रिपाठी, दिल्ली।
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य, हीरालाल भाहेश्वरी, कलकत्ता।
3. पचरंगी घोला पहर सखी री, माधव हाड़ा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

Raj Vas
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V & VI

प्रश्नपत्र RAJ C 02 : विशिष्ट कवि : बारहठ ईसरदास
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जाएंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्यात्मक (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व।

इकाई - द्वितीय

हालां झालां रा कुण्डलिया (प्रारंभिक 10 छंद), सं. मोतीलाल मेनारिया, हितैषी पुस्तक भण्डार, रूटयपुर।

इकाई - तृतीय

देवियांग (प्रारंभिक 15 छंद), देवियांग राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

सहायक पुस्तकें :

1. महाकवि ईसरदास बारहठ की प्रामाणिक जीवनी, महादानसिंह बारहठ, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. बारहठ ईसरदास, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
3. ईसर बारोट कृत हरिरस ग्रंथ, पीगशी पाताभाई, सं. 1980।

Raj / Vais

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII
प्रश्नपत्र RAJ C 03 : राजस्थानी संत साहित्य
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10X2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 200 शब्द, अंक 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

राजस्थान के प्रमुख सन्त -- सम्प्रदाय; पश्चिमी राजस्थान के प्रमुख सन्त -- सम्प्रदाय और उनकी परम्पराएँ, विश्वोई, जसनाथी, रामस्नेही, नाथ, आई पंथ : संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख संतों की वाणियाँ और दार्शनिक सिद्धान्त।

इकाई - द्वितीय

पूर्वी राजस्थान के प्रमुख सन्त सम्प्रदाय -- दादू पंथ, लालदासी पंथ, चरणदासी सम्प्रदाय : संक्षिप्त इतिहास, प्रमुख सन्तों की वाणियाँ और दार्शनिक सिद्धान्त।

इकाई - तृतीय

राजस्थानी सन्त साहित्य की देन --

समन्वय की उत्कृष्ट साधना -- समाज--संस्कृति, धर्म--साधना, दर्शन में सामंजस्य भावना, पर्यावरण संरक्षण, लोक जीवन की अभिव्यक्ति, साहित्यिक तत्व, राजस्थानी भाषा को संतों का योगदान।

सहायक पुस्तकें :

1. उत्तर भारत की सन्त परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
2. सन्त काव्य, परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. सन्त साहित्य के स्रोत, परशुराम चतुर्वेदी, राजपाज एण्ड सन्स, दिल्ली।
4. हिन्दी काव्य में निर्गुण पंथ सम्प्रदाय, डॉ. पीताम्बर दत्त बड़धवाल, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ।
5. उत्तर भारत के निर्गुण पंथ साहित्य का इतिहास, डॉ. विष्णुदत्त राकेश, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
6. नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, डॉ. वेद प्रकाश जुनेजा, गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर।
7. छया बाई री वाणी : बेलवेडियर प्रेस, इलाहाबाद।
8. रामस्नेही सम्प्रदाय, स्वामी केवलराम, बीकानेर।
9. दादू सम्प्रदाय का इतिहास, स्वामी मंगलदास, जयपुर।
10. श्री जाम्भोजी महाराज का जीवन चरित्र, स्वामी सुर्जनदास, कोलायत।
11. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन, डॉ. पैमाराम, अर्चना प्रकाशन, अजमेर।
12. महाराजा मानसिंह व्यक्तित्व और कृतित्व, रामप्रसाद दाधीच, जोधपुर।
13. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हरीशचन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, रोहतक।
14. जाम्भोजी, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
15. जाम्भोजी, विश्वोई सम्प्रदाय और साहित्य (दो भाग) : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, बी. आर. पब्लिकेशन, कलकत्ता।
16. चरणदासी सम्प्रदाय और उसका साहित्य, डॉ. श्यामसुन्दर शुक्ल, वृन्दावन।
17. चरणदास, डॉ. बिलोकी नारायण दीक्षित, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

Paper IV, V, VI & VII

प्रश्नपत्र RAJ C 04 : राजस्थान के जनआन्दोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

प्रथम भाग

राजस्थान में 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम, प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी एवं प्रमुख स्थल। राजस्थान के स्वतन्त्रता आन्दोलन में जमनालाल बजाज, माणिक्यलाल वर्मा, हरिदेव जोशी।

द्वितीय भाग

राजस्थान में प्रमुख किसान आन्दोलन : बिजौलिया, बेगूं, नीमूचाणा, शेखावाटी, मारवाड़, जयपुर, बूंदी एवं बीकानेर राज्य में किसान आन्दोलन। सत्याग्रह आन्दोलन।

तृतीय भाग

राजस्थान का प्रजामण्डल आन्दोलन, राजस्थान के प्रमुख प्रजामण्डल, मारवाड़ लोकपरिषद्। राजस्थान में असहयोग आन्दोलन। राजस्थान में सविनय अवज्ञा आन्दोलन, राजस्थान में भारत छोड़ो आन्दोलन।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. राजस्थान में स्वतन्त्रता आन्दोलन, बी.एल. पनगड़िया, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. बृजकिशोर शर्मा, मास मूवमेन्ट एण्ड फ्रीडम स्ट्रगल इन राजस्थान, बुक ट्रेजर, जोधपुर
3. बृजकिशोर शर्मा, राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आन्दोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
4. विनीता परिहार, राजस्थान में प्रजामण्डल आन्दोलन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
5. सुखवीर सिंह गहलोत, फ्रीडम स्ट्रगल इन राजस्थान : सम आसपेक्ट्स, रिसर्च फ्लिशर्स, जयपुर

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा

चतुर्थ सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit
अनिवार्य					
1.	Paper I	RAJ X01	सामसामयिक राजस्थान (1956-2010 ईस्वी)	CCC	6
2.	Paper II	RAJ X02	आधुनिक राजस्थानी काव्य	CCC	6
3.	Paper III	RAJ X03	आधुनिक राजस्थानी गद्य	CCC	6
वैकल्पिक					
4.	Paper IV, V, VI & VII (any three)	RAJ D 01	राजस्थान : ऐतिहासिक एवं अभिलेख	ECC	6
5.		RAJ D 02	राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन	ECC	6
6.		RAJ D 03	साहित्य शास्त्र	ECC	6
7.		RAJ D 04	राजस्थानी प्रकृति काव्य	ECC	6
8.		RAJ D 05	राजस्थानी नाटक एवं रंगमंच	ECC	6

29

Raj (Jain)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा

प्रश्नपत्र I RAJ : X01: समसामयिक राजस्थान (1956-2010 ईस्वी)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20X5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10X2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5X4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20X3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई -- प्रथम

राजस्थान की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ -- राजस्थानी के प्रमुख समसामयिक साहित्यकार, रूपायन संस्थान (बोरूदा), लोक कला मण्डल (उदयपुर), जवाहर कला केन्द्र (जयपुर)। राजस्थान की प्रमुख अकादमियाँ -- राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (बीकानेर), राजस्थानी साहित्य अकादमी (उदयपुर), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी (जयपुर), राजस्थान ललित कला अकादमी (जयपुर)। राजस्थान के साहित्यिक पुरस्कार एवं सम्मान।

इकाई -- द्वितीय

राजस्थान में सामाजिक उत्थान के प्रयास : बाल विवाह, कन्या वध, सती प्रथा आदि के विरुद्ध जागृति। प्रमुख एन.जी.ओ. एवं उनकी उपलब्धियाँ। राजस्थान के प्रमुख शिक्षण संस्थान -- महाराजा संस्कृत कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय। भारतीय संविधान में राजस्थानी भाषा की मान्यता का प्रश्न एवं इसकी चुनौतियाँ।

इकाई -- तृतीय

स्वतंत्रता के बाद राजस्थान के शहीद। जल संरक्षण आंदोलन। राजस्थान में सूचना का अधिकार एवं प्रगति। राजस्थान की आर्थिक प्रगति की समीक्षा। राजस्थान के मारवाड़ी संतों का राजस्थान की प्रगति में योगदान। राजस्थान की जनसंख्या, कृषि एवं उद्योग।

संदर्भ ग्रंथ :

विभिन्न पत्र-पत्रिकाएँ, सरकारी प्रतिवेदन आदि।

30

Raj | Jas
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र II RAJ - X02 : आधुनिक राजस्थानी काव्य

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, तभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रश्न प्रश्न में 10 अतिरिक्तवाक्य (शब्द सीमा 20 शब्द अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा 150 शब्द 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन चार व पाँच निबन्धात्मक प्रश्न (शब्द सीमा 500 शब्द अंक 20x3 = 60) होंगे इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ होंगे) होंगे।

इकाई - प्रथम

वीर सतसई - सूर्यमल मिश्रण (प्रारंभिक 30 छंद), पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया व डॉ कन्हैयालाल सहल (सम्पादक) : वीर सतसई (सूर्यमल मिश्रण), बंगाल हिन्दी मण्डल, कलकत्ता

इकाई - द्वितीय

साध्या : सत्यप्रकाश जोशी, संपूर्ण, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

इकाई - तृतीय

लीलटांस - कन्हैयालाल सेठिया (प्रारंभिक 05 कविताएँ), प्रकाशक - स्व. मुरलीधर सराफ स्मृति ग्रंथ माला, कलकत्ता

एवं

गीत - अम्बर भरग्या बादल - रघुराजसिंह हाड़ा, आधुनिक राजस्थानी काव्य से रामेश्वरदयाल श्रीमाली, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

सहायक पुस्तकें :

1. महाकवि सूर्यमल मिश्रण स्मृति अंक, सूर्यमल स्मारक समिति, बूंदी परम्परा (त्रै-मासिक पत्रिका), सूर्यमल मिश्रण विशेषांक तथा 'हेमाणी' अंक राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
2. शाशुसिंह मनोहर : वीर रातराई (सम्पादक), स्टुडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर
3. राजस्थान का पिंगल साहित्य, मोतीलाल मेनारिया
4. हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, कलकत्ता
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य, मोतीलाल मेनारिया।
6. राजस्थानी साहित्य : एक परिचय, नरोत्तम स्वामी, बीकानेर।

31

Raj Jain

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III RAJ : X03 : आधुनिक राजस्थानी गद्य

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिरिक्तप्रश्नात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 100 शब्द, 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबन्धात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इस प्रश्नपत्र के 6 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्नों में दो प्रश्न व्याख्यापरक (प्रस्तावित पाठ्यपुस्तकों से कुल दो व्याख्याएँ होंगी) होंगे।

इकाई – प्रथम

मेवे रा रूख – अन्नाराम सुदामा। अन्नाराम सुदामा : मेवे रा रूख (उपन्यास), धरती प्रकाशन, बीकानेर।

इकाई – द्वितीय

अलेखू हिटलर -- विजयदान देथा। विजयदान देथा : अलेखू हिटलर, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

प्रभातियो तारो – नृसिंह राजपुरोहित।

सौदो – सांवर दइया।

गा कठै बांधू – रामस्वरूप किसान।

बस में रोझ – चन्द्रप्रकाश देवल।

इकाई – तृतीय

मिनख और मानखो : सूर्यशंकर पारीक, राजस्थान लोकसाहित्य में रूख : नानूराम संस्कृता। राजस्थानी निबन्ध संग्रह, (सं.) डॉ. किरण नाहटा, गजादान चारण, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।

सहायक पुस्तकें :

1. डॉ. किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी साहित्य, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
2. अगरचन्द्र नाहटा : राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
3. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा – जागती जोत पत्रिका, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
4. राजस्थानी से आधुनिक कहानियाँ – (सं.) श्याम जांगिड, बोधि प्रकाशन, नया

32

Raj (Jain)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 01 : राजस्थान : पुरातत्व एवं अभिलेख

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे; प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50, शब्द 5x4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान के प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक पुरास्थल, उत्तर-पूर्वी राजस्थान की पुराप्रस्तर संस्कृति, राजस्थान की मध्यप्रस्तर संस्कृति, राजस्थान के मध्य प्रस्तरयुगीन मानव जीवन एवं संस्कृति, ताम्र प्रस्तर युग। राजस्थान के शैलचित्र।

इकाई – द्वितीय

गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति, कृष्ण लोहित मृदपात्र संस्कृति, चित्रित धूसर मृदपात्र संस्कृति। प्राकहडप्पा संस्कृति, राजस्थान के पुरास्थल : कालीबंगा, आहड़, विराटनगर, नोह, नगर, रैड, बैराठ, रंगमहल, सावंर, नगरी।

इकाई – तृतीय

राजस्थान में अभिलेख, परम्परा, लिपि, भाषा। राजस्थान के प्रमुख अभिलेख : घोसुण्डी, घटियाला, एकलिंग, राजप्रशस्ति, हर्ष शिलालेख। राजस्थान जैन अभिलेख।

सहायक पुस्तकें :

1. वीएन मिश्रा, प्री एण्ड प्रोटो हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली।
2. कृष्णगोपाल शर्मा, अर्ली जैन इन्सक्रिप्शन्स इन राजस्थान, जयपुर
3. अट्रिश बनर्जी, आर्कियोलॉजिकल हिस्ट्री ऑफ साउथ ईस्टर्न राजस्थान, वाराणसी, 1971
4. श्यामप्रसाद व्यास, राजस्थान के अभिलेखों का सांस्कृतिक अध्ययन, राजस्थानी ग्रन्थागार
5. विनोद गोधल, उत्तर पूर्वी राजस्थान क्षेत्र का प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक सांस्कृतिक अनुसंधान, अप्रकाशित शोध ग्रन्थ जयपुर, 2011
6. आर.सी. अग्रवाल, जयपुर रीजन एक्सवेक्शन एण्ड एक्सप्लोरेशन, जयपुर, 1978
7. मारुतलाल मयंक, राजस्थान के अभिलेख, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
8. गोविन्दसिंह मीणा, उत्तर पूर्वी राजस्थान का पुरातात्विक अध्ययन, लिटरेरी, जयपुर।

33

Raj (Joo)
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 02 : राजस्थान में सांस्कृतिक पर्यटन

Course Category : ECC

अवधि 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अति-लघुतरात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघुतरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द 5x4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द 20x3 = 60) होंगे। इनमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई – प्रथम

सांस्कृतिक पर्यटन की अवधारणा एवं महत्त्व। राजस्थान में ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पर्यटन – विराटनगर, भानुगढ़, रणथम्भौर, हल्दीघाटी।

इकाई – द्वितीय

सांस्कृतिक केन्द्रों/संग्रहालयों की भूमिका – लोककला मंडल (उदयपुर), मट्टारकोय संग्रहालय (नागौर), जवाहर कला केन्द्र (जयपुर), अरबी-फारसी शोध संस्थान (टीक), ग्राम पर्यटन – अवधारणा एवं विकास।

इकाई – तृतीय

धार्मिक पर्यटन – पुष्कर, अजमेर दरगाह, सोलासर, एकलिंगजी, नाथद्वारा, श्रीमहावीर जी, केसरियाजी, देशनोक, नाकोडा, तिजारा, करौली (केलादेवी), बेणेश्वर, सांवलियाजी, खाटूश्यामजी।

संदर्भ ग्रंथ

1. राजेश कुमार व्यास : पर्यटन : उद्भव एवं विकास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. राजेश कुमार व्यास : सांस्कृतिक पर्यटन, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. शालिनी सक्सेना : राजस्थान के लोक तीर्थ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आर.टी.डी.सी.) द्वारा प्रकाशित पुस्तिकाएँ।

34

Raj / Jais
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 03 : साहित्य शास्त्र
Course Category : ECC

क्रेडिट : 6

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

नोट : प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिलघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 150 शब्द, 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

साहित्य की परिभाषा, भेद, साहित्य के तत्त्व, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई - द्वितीय

भारतीय काव्यशास्त्र : रस निश्चिन्ति, साधारणीकरण, अलंकार सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय।

इकाई - तृतीय

राजस्थानी काव्यशास्त्र, राजस्थानी छन्दशास्त्र की सामान्य विशेषताएं, प्रमुख छन्द, प्रमुख अलंकार, काव्य-दोष, पाठालोचन की परिभाषा, स्वरूप एवं सिद्धान्त।

सहायक पुस्तकें :

1. रामचन्द्र शुक्ल : रस मीमांसा
2. बलदेव उपध्याय : भारतीय साहित्यशास्त्र
3. डॉ. रामप्रकाश : समीक्षा-सिद्धान्त, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4. डॉ. ओमानन्द सारस्वत : दोहा-शब्द और व्याप्ति, चिन्ता प्रकाशन, पिलानी
5. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी : साहित्य के प्रमुख सिद्धान्त
6. डॉ. नगेन्द्र : रस सिद्धान्त
7. डॉ. भोलाशंकर व्यास : ध्वनि सम्प्रदाय और उसके सिद्धान्त, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
8. डॉ. सत्येन्द्र : पांडुलिपि विज्ञान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

35

Raj | Jai
Dy. Registrar (Ac)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 04 : राजस्थानी प्रकृति काव्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट - प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रश्न प्रश्न में 10 अक्षरघुत्तरात्मक (शब्द सीमा : 20 शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न व्याख्याओं (शब्द सीमा : 50 शब्द 10x2 = 20) का होगा जिसमें कुल दो व्याख्याएँ (आंतरिक विकल्प देय) पूछी जाएंगी। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबन्धात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, अंक 20x3 = 60) होंगे, इसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

बादली - चन्द्रसिंह (प्रारंभिक 30 छंद)

इकाई - द्वितीय

रुख सतसई - लक्ष्मणदान कविया (प्रारंभिक 30 छंद)

इकाई - तृतीय

लू - चन्द्रसिंह (प्रारंभिक 30 छंद)

सहायक पुस्तकें

1. बादली, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
2. रुख सतसई, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
3. लू, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

36

Raj / Tai
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

Paper IV, V, VI & VII (any three)

RAJ D 05 : राजस्थानी नाटक एवं रंगमंच

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नाटक प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न (20x5 = 100 अंक) पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न (आंतरिक विकल्प छोड़कर) अनिवार्य होंगे। प्रथम प्रश्न में 10 अतिरिक्ततात्मक (शब्द सीमा : बीस शब्द, अंक 10x2 = 20) प्रश्न होंगे। द्वितीय प्रश्न में चार लघूत्तरात्मक (शब्द सीमा : 50 शब्द 5x4 = 20) प्रश्न होंगे। प्रश्न तीन, चार व पाँच निबंधात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द, 20x3 = 60) होंगे। इसमें प्रत्येक इकाई में एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) पूछा जायेगा।

इकाई - प्रथम

राजस्थानी नाटक और रंगमंच, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार।

इकाई - द्वितीय

तारु राधक - कादवेन्द्र शर्मा चन्द्र।

इकाई - तृतीय

धरमजुद्ध - अर्जुनदेव चारण।

पाठ्य पुस्तकें :

1. धरमजुद्ध, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
2. तारु राधक, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

Raj Vain
Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

37